SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 17: no 10, October 1978

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

अक्तूबर, 1978

मधुमती

सम्पादक : जयसिंह नीरज

राजस्थान साहित्य अकादमी की साहित्यिक मासिकी : वर्ष 17 : अंक 10

मधुमती

वर्ष १७ : अंक १०
अक्टूबर, १९७८ ई०

सम्पादक : डॉ. जयसिंह नीरज
प्रबन्ध सम्पादक : डॉ. राजेन्द्र शर्मा

अनुक्रम

		पृष्ठ संख्या
सम्पादकीय		३
परिचर्चा		
रचनात्मक आवेश और परिवेश/समाधान किस्त	नवलकिशोर	४
कविता		
एक अप्रत्याशित प्रसंग	व्लादिमीर मायकोवस्की अनु० जीवन महता	९
लेख		
राजभाषा : सम्पर्कभाषा हिन्दी	डॉ० कैलाशचन्द्र भाटिया	१५
हिन्दी लेखन-स्तर की खोज	रमेश दवे	१९
सामाजिक बदलाव और बदलाव का रंगमंच	डॉ० सत्येन्द्र कुमार तनेजा	२७
कविताएं		
तुम्हारे इन्तजार में/हरी दूब का सपना/चुप्पी/हर बार	नन्द भारद्वाज	३१
मेरी जीत/तुम बताओ/शकुन्तला का दर्द/धुंधले इन्द्रधनुष	पुष्पलता कश्यप	३७
कहानी		
एक थकी हुई जरूरत	ईश्वर चन्दर	४४
बरसात, बाढ़, बीमारी और बोरियत	मनमोहिनी	४९

कविता

यथास्थिति	शिवजी
सपने देखने वाली लड़की/चाँदनी का बोझ	चन्द्रशेखर अरोड़ा
आदमी	सारादत्त 'निर्विरोध'
दिशाएँ खामोश क्यों हैं ?/ऐसा भी हो सकता है	सलीम खान
कजरी	रेवतीरमण शर्मा
तुम्हारे विकल्प के स्वागत् में/हरेक मौसम के इर्द गिर्द	उमेश अपराधी

कहानी

आशयाना	नासिरा शर्मा
सिर कटी नदी	मोहरसिंह यादव

कविताएं

संयुक्त-मोर्चा	धूमिल
नागफनी के वन में/मन हुआ परेवा	रवीन्द्र भ्रमर
दो कविताएं	नारायण 'शील'
पंख कटे रिश्ते/एक भीगी शाम	सावित्री परमार
दो गीत	रामेश्वर वैष्णव
ये पत्रिकाएँ	ऋतुराज

पुस्तक समीक्षा

नाच्यो बहुत गोपाल	नवलकिशोर
पोशिमाल	खलील तनवीर

सांस्थानिक गतिविधियां

एक प्रति का मूल्य : 1-50

वार्षिक शुल्क : 15-00

आवरण शिल्प : श्री जी. सी. पँवार, राजस्थान के प्रयोगधर्मी शिल्पकार। काष्ठ, पत्थर, धातु आदि माध्यमों में प्रभावशाली प्रयोग कर श्री पँवार ने कला-जगत में अपना स्थान बनाया है। शान्तिनिकेतन के स्नातक श्री जी. सी. पँवार आजकल गोवा में हैं।